डीजी परिपत्र संख्या– 51 /2016

जावीद अहमद,
आई०पी०एस०

पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश ।
1–तिलक मार्ग, लखनऊ–226001
दिनांकः लखनऊः अगस्त 20, 2016

प्रिय महोदय,

आप अवगत है कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं उ0प्र0 शासन द्वारा सोशल मीडिया (Twitter) के माध्यम से जनशिकायतों का त्वरित निस्तारण एवं शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है । सोशल मीडिया जनता से सीधे सम्बन्ध स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है और पुलिस को भी इस नई तकनीकी को अपनाना आवश्यक हो गया है।

मेरे द्वारा @javeeddgpup के नाम से ट्विटर एकाउंट बनाया गया है जिस पर मेरे द्वारा इस पर समय–समय पर पुलिस से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाओं का सम्प्रेषण किया जाता है। इसके अतिरिक्त यूपी पुलिस के अधिकृत ट्विटर एकाउंट @uppolice को भी सक्रिय किया गया है एवं इस एकाउंट के माध्यम से विभिन्न जनपदों से प्राप्त होने वाली जनशिकायतों का निस्तारण एवं पुलिस के कार्यों का प्रचार–प्रसार करवाया जा रहा है। उपरोक्त के फलस्वरूप वर्ष 2013 में बने इस ट्विटर एकाउंट में जहाँ तीन सालों में इसके फालोवर की संख्या लगभग 6,500 थी, वहीं चार महीनों में लगभग 39,000 से अधिक लोग इस एकाउंट से जुड़ गये हैं ।

मेरे द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों के ट्विटर एकाउंट की समीक्षा की गयी जिसमें यह पाया गया–

1– ट्विटर एकाउंट पी0आर0ओ0 सेल में नियुक्त कर्मचारियों द्वारा चलाया जा रहा है जिनके द्वारा डीजीपी मुख्यालय से संदर्भित जनशिकायतों को अधिकारियों के संज्ञान में नहीं लाया जाता है और न ही अधिकारियों द्वारा उनके निस्तारण हेतु रूचि ली जा रही है, जिससे Twitter पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में असुविधा हो रही है ।

2– पी0आर0ओ0 सेल में नियुक्त पुलिस कर्मी तकनीकी रूप से दक्ष नहीं हैं ।

3– कुछ जनपदों/रेंज/जोन में ट्विटर आईडी निर्धारित प्रारूप में नहीं हैं एवं ट्विटर पर तस्वीर UP Police के Logo से भिन्न है ।

4– अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात, उ0प्र0 द्वारा व्यक्तिगत रूचि लेकर @uptrafficpolice को अत्यन्त सक्रिय रखा गया है । @gzbtrafficpol के Twitter Handle का रेस्पांस टाईम बहुत अच्छा है । इलाहाबाद, लखनऊ एवं नोएडा यातायात पुलिस के Account सक्रिय हैं ।

5– पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ जोन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, गाजियाबाद द्वारा स्वयं Twitter पर सक्रिय रहकर जनता से नियमित संवाद स्थापित करते हुए जनशिकायतों का निस्तारण किया जा रहा है, जिसकी प्रशंसा की जाती है । इसी प्रकार फतेहपुर एवं कन्नौज जनपद के Twitter Account भी सक्रिय हैं, जो सराहनीय है ।

प्रत्येक जनपद में सोशल मीडिया के सुचारू रूप से संचालन हेतु निम्न निर्देश पारित किये जाते हैं :–

1– सभी जनपदों के Twitter Account अनिवार्य रूप से जिलों के नाम पर रहेंगे जैसे @VaranasiPolice, @ghaziabadPolice आदि । पुलिस अधीक्षक के लिये अपने पदनाम का Twitter Account जैसे @ssplucknow, @sspnoida ऐच्छिक रखा गया है।

2– SP/SSP/ DIG Range/IG Zone अपने CUG मोबाइल पर अपने पदनाम/जिले के Twitter Account को Configure करवा लें जिससे वह उ0प्र0 पुलिस के Twitter Account @ uppolice द्वारा उनको प्रेषित जनशिकायतों का संज्ञान ले सकें एवं उपरोक्त प्रकरणों में जनपद द्वारा समुचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करा सकें ।

3– SP/SSP/ DIG Range/IG Zone यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके कार्यक्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का उल्लेख उनके Twitter Handle पर किया जाये एवं @ uppolice को टैग किया जायेगा ।

4– समस्त जोन, रेंज एवं जनपदों की सोशल मीडिया सेल द्वारा Advance Application for Social Media Analytics (AASMA) Tool का प्रयोग कर सोशल मीडिया (Twitter, Facebook, YouTube, Google+, Instagrame, Flickr इत्यादि) की मानिटरिंग भी की जायेगी । इस संबंध में मेरे द्वारा पूर्व में परिपत्र संख्या 01/2016, जनवरी 2016 में भी विस्तृत निर्देश दिये गये हैं।

5– SP/SSP/ DIG Range/IG Zone के पीआरओ के अधीन एक स्थायी सोशल मीडिया सेल का गठन किया जाय जिसमें दो शिफ्ट में (प्रातः 08.00 बजे से सायं 04.00 बजे एवं 02.00 PM से रात्रि 10.00 PM तक) कर्मचारी कार्यरत रहें । सोशल मीडिया सेल में एक सीयूजी नम्बर, एक मल्टीमीडिया फोन, कम्प्यूटर, इण्टरनेट कनेक्शन उपलब्ध रहे । लगभग सभी जनपदों में पूर्व से पीआरओ सेल के पास उपरोक्त चीजें मौजूद हैं ।

उपरोक्त सेल का तत्काल गठन कर डीजीपी मुख्यालय को उनके नाम, सीयूजी नम्बर, ई–मेल आई0डी0 उपलब्ध करा दिया जाय ।

6– सोशल मीडिया सेल पुलिस महानिदेशक मुख्यालय अतिआवश्यक प्रकरणों में समय की बचत करने हेतु सन्दर्भित प्रकरणों में रिपोर्ट सीधे थाने से वाट्सएप के माध्यम से सोशल मीडिया सेल के सीयूजी नम्बर पर प्राप्त की जायेगी । इस संबंध में आप यह सुनिश्चित करें कि थानों से प्रेषित की जाने वाली आख्या थानाध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में प्रकरण को लाकर तथ्यों के आधार पर प्रेषित की जाये। सूचना संक्षिप्त, प्रासंगिक एवं ट्विटर की भाषा के अनुरूप हो।

7– Social Media से सम्बन्धित संदेशों के त्वरित आदान प्रदान के लिये PROUP के नाम से Whatsapp Group सी0यू0जी0 नम्बर 7839858961 से बनाया गया है। जिसमें जनपद, रेन्ज और जोन के समस्त पी0आर0ओ0 के सी0यू0जी0 नम्बर एवं Social Media Cell के सी0यू0जी0 नम्बर को जोड़ा जाना है। वर्तमान में सी0यू0जी0 नम्बर रखने वाले सभी पी0आर0ओ0 को इस Group मे जोड़ा जा चुका है। अतः आप अपने पी0आर0ओ0 एवं Social Media Cell के कर्मचारियों को सी0यू0जी0 नम्बर के साथ इस Group में सम्मलित कराना सुनिश्चित करें।

समस्त जिलों के PRO/Social Media Cell के लिये महत्वपूर्ण संदेशों एवं सूचनाओं का आदान प्रदान इस ग्रुप के माध्यम से किया जायेगा ।

8— एकरूपता हेतु सभी Twitter Handle की प्रोफाइल तस्वीर, बायोडाटा एवं हेडर तस्वीर, UP Police की Twitter ID की तस्वीर की तरह रहेगी ।

9. जनशिकायतों को @uppolice के Twitter Account से Tweet करने पर सम्बन्धित जनपद अपने Twitter Account से प्रकरण में संज्ञानित होने का Tweet संक्षेप में Noted लिखकर प्रेषित करेंगे, जिससे इस बात की पुष्टि हो जाये कि उन्होंने संदेश का अवलोकन कर लिया है ।

10— समस्त जनपदीय/रेंज/जोन के ट्विटर हैण्डल द्वारा अनिवार्य रूप से मुख्यमंत्री कार्यालय के Twitter Handle @CMOfficeUP, उत्तर प्रदेश सरकार के Twitter Handle @UPGovt, मुख्य सचिव के Twitter Handle @chiefsecyup, उ0प्र0 गृह विभाग के Twitter Handle @homeDepttup, उ0प्र0 पुलिस के Twitter Handle @uppolice एवं डीजीपी उ0प्र0 के Twitter Handle @javeeddgpup को अनिवार्य रूप से Follow किया जायेगा एवं उससे प्रेषित संदेशों का संज्ञान लिया जायेगा।

11— शीघ्र ही इस मुख्यालय में Twitter से सम्बन्धित प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा जिसमें पीआरओ सेल में नियुक्त कर्मियों को सम्मिलित किया जायेगा ।

प्रदेश स्तर पर सोशल मीडिया सेल में प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु डीजीपी मुख्यालय में सोशल मीडिया सेल का गठन किया गया है जिसमें प्रातः 08.00 AM से रात्रि 10.00 PM तक दो शिफ्टों में उपनिरीक्षक एवं आरक्षीगण कार्यरत हैं। इस सेल का सीयूजी नं0 9454405120 व 7839858961 है । आपसे अपेक्षा की जाती है कि उपरोक्त नम्बर को पी0आर0ओ0 सेल एवं सोशल मीडिया सेल के कर्मचारी अपने मोबाइल में फीड कर लें ।

उपरोक्त का सीधा पर्यवेक्षण पुलिस महानिदेशक के सहायक एवं पुलिस महानिरीक्षक द्वारा किया जायेगा एवं यह सेल पुलिस महानिदेशक के जनसम्पर्क अधिकारी के अधीन कार्यरत रहेगी।

भवदीय,

20.8.16.

(जावीद अहमद)

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक(नाम से)
प्रभारी जनपद,
उत्तर प्रदेश ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :—

1—अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात, उ0प्र0 ।
2—समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक, उ0प्र0 ।
3—समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस उपमहानिरीक्षक, उ0प्र0 ।
4—समस्त राजपत्रित अधिकारीगण डीजीपी मुख्यालय, उ0प्र0 ।